

पाठ्यक्रम संरचना सत्र 2020-21

कक्षा-12वीं

विषय- व्यवसाय अध्ययन

विषय कोड- (302)

सैद्धांतिक-80

प्रायोजना-20

पूर्णांक-100(80+ 20)

| क्र. | इंकाई   | विषय वस्तु                    | आबंटित अंक | कालखण्ड |
|------|---------|-------------------------------|------------|---------|
| 1    | भाग-‘अ’ | प्रबंध के सिद्धांत तथा कार्य  |            |         |
|      | 1       | प्रबंध की प्रकृति एवं महत्व * | 08         | 07      |
|      | 2       | प्रबंध के सिद्धांत *          | 04         | 07      |
|      | 3       | व्यावसायिक पर्यावरण *         | 04         | 06      |
|      | 4       | नियोजन *                      | 08         | 07      |
|      | 5       | संगठन *                       | 06         | 10      |
|      | 6       | नियुक्तिकरण *                 | 08         | 07      |
|      | 7       | निर्देशन *                    | 06         | 06      |
|      | 8       | नियंत्रण                      | 06         | 10      |
|      |         |                               | 50         | 60      |
| 2    | भाग-‘ब’ | व्यवसाय वित्त तथा विपणन       |            |         |
|      | 9       | वित्तीय प्रबंध *              | 15         | 20      |
|      | 10      | विपणन प्रबंध *                | 05         | 10      |
|      | 11      | उपभोक्ता संरक्षण              | 10         | 10      |
|      |         |                               | 30         | 40      |
| 03   | भाग-‘स’ | प्रोजेक्ट कार्य               | 20         | 20      |
|      |         | योग                           | 100        | 120     |

\*आंशिक विलोपन

---

**भाग : 1 – प्रबंध के सिद्धांत तथा कार्य**

**इकाई : एक प्रबंध की प्रकृति एवं महत्व**

**07 कालखण्ड**

प्रबंध – अवधारणा, उद्देश्य तथा महत्व।

- अर्थ व विशेषताएँ।
- प्रबंध एक विज्ञान, कला, पेशा (व्यवसाय) के रूप में।
- प्रबंध के कार्य – नियोजन, संगठन, कर्मचारी नियुक्तिकरण, निदेशन, तथा नियंत्रण।

**इकाई : दो- प्रबंध के सिद्धांत**

**07 कालखण्ड**

प्रबंध के सिद्धांत – अवधारणा तथा महत्व।

फेयॉल का प्रबंध सिद्धांत।

टेलर का वैज्ञानिक प्रबंध – सिद्धांत।

**इकाई : तीन – व्यावसायिक पर्यावरण**

**06 कालखण्ड**

व्यावसायिक पर्यावरण – अवधारणा तथा महत्व।

व्यावसायिक पर्यावरण के आयाम – आर्थिक, सामाजिक, तकनीकी, राजनैतिक तथा कानूनी।

**इकाई : चार – नियोजन**

**07 कालखण्ड**

अवधारणा, महत्व तथा सीमाएं।

नियोजन प्रक्रिया।

**इकाई : पांच – संगठन**

**10 कालखण्ड**

अवधारणा तथा महत्व

संगठन की प्रक्रिया

संगठन की संरचना (ढांचा) – कार्यात्मक तथा प्रभागीय संगठन अवधारणा

औपचारिक तथा अनौपचारिक संगठन – अवधारणा।

**इकाई : छः – नियुक्तिकरण**

**07 कालखण्ड**

नियुक्तिकरण की अवधारणा तथा महत्व।  
मानव संसाधन प्रबंधन के रूप में नियुक्तिकरण – अवधारणा।  
नियुक्तिकरण की प्रक्रिया।  
भर्ती प्रक्रिया, चयन प्रक्रिया।

**इकाई : सात – निर्देशन**

**06 कालखण्ड**

अवधारणा तथा महत्व।  
निर्देशन के तत्व  
अभिप्रेरणा – अवधारणा, मास्लो, हीरैची की आवश्यकता, वित्तीय और गैरवित्तीय प्रोत्साहन।

**इकाई : आठ – नियंत्रण**

**10 कालखण्ड**

संकल्पना तथा महत्व  
नियोजन तथा नियंत्रण में संबंध  
नियंत्रण प्रक्रिया के चरण

**भाग : 2 – व्यवसाय वित्त तथा विपणन**

संकल्पना अर्थ सहित तथा विशेषताएं

**इकाई : नौ – वित्तीय प्रबंध**

**20 कालखण्ड**

अवधारणा, भूमिका तथा वित्तीय प्रबंध के उद्देश्य  
वित्तीय निर्णय : निवेश, वित्तियन तथा लाभांश – अर्थ तथा प्रभावित करने वाले कारक  
वित्तीय नियोजन – संकल्पना तथा महत्व

**इकाई: दस – विपणन प्रबंध**

**10 कालखण्ड**

विपणन तथा विक्रय – संकल्पना।  
विपणन प्रबंध – संकल्पना।  
विपणन के कार्य।  
विपणन प्रबंध दर्शन।  
विपणन मिश्र – संकल्पना तथा तत्व।  
उत्पाद – ब्रांडिंग, लेबलिंग तथा पैकेजिंग अवधारणा।

**इकाई : ग्यारह – उपभोक्ता संरक्षण**

**10 कालखण्ड**

अवधारणा तथा उपभोक्ता संरक्षण का महत्व  
उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 1986  
उपभोक्ता का अर्थ  
उपभोक्ता के अधिकार तथा दायित्व  
शिकायत कौन किसके विरुद्ध कर सकता  
तंत्र का सुधार  
उपलब्ध उपाय  
उपभोक्ता जागरूकता – उपभोक्ता संगठनों तथा गैर सरकारी संगठनों की भूमिका (NGOs)

  
उपसचिव

छ0 ग0 माध्यमिक शिक्षा मण्डल  
रायपुर